दक्ष®

2023 का प्रश्न-पत्र सम्पूर्ण
हल एवं व्याख्या सहित

वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा आयोजित

No. 1

A Complete Guide for

राजस्थान प्री. बी. एड.

2024

PTET

नवीनतम पाठ्यक्रम एवं
नवीनतम आँकड़ों पर आधारित

Buy Online at : WWW.DAKSHBOOKS.COM

दक्ष®

100% Syllabus

पर आधारित

PTET

राजस्थान प्री. बी. एड.

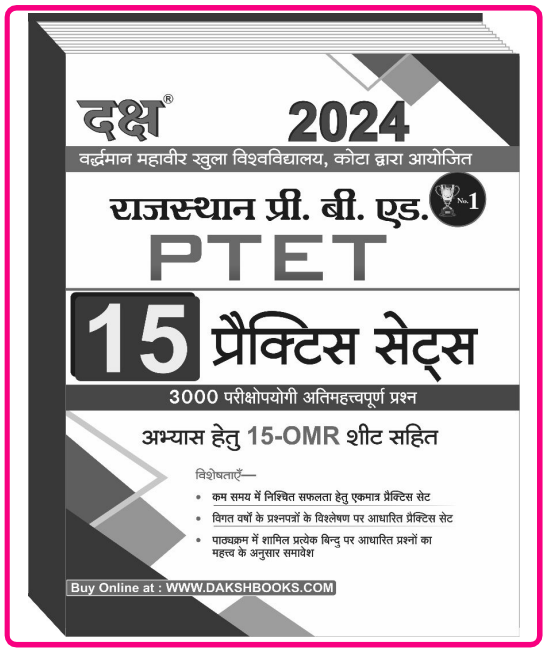

→ विगत वर्षों के प्रश्न-पत्रों के विश्लेषण पर आधारित एकमात्र पुस्तक

→ पाठ्यक्रम में शामिल प्रत्येक बिन्दु पर आधारित प्रश्नों का महत्त्वानुसार समावेश

लेखकगण

सुधीन्द्र शर्मा

रामजीलाल यादव

आचार्य संदीप मालाकार

दक्ष प्रकाशन

(A Unit of College Book Centre)

WWW.DAKSHBOOKS.COM

प्रकाशक :
परितोष वर्धन जैन
कॉलेज बुक सेन्टर
• A-19, सेठी कॉलोनी,
जयपुर-302 004

© प्रकाशकाधीन

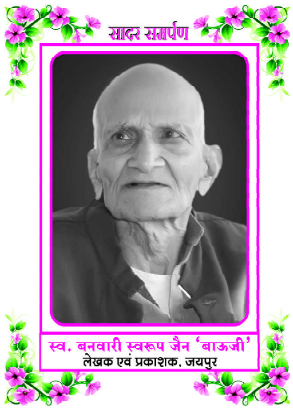

लेजर टाईपसैटिंग :
पूजा एण्टरप्राईजेज़
जयपुर

मुद्रक :
के.डी. प्रिन्टर्स
जयपुर।

वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा आयोजित

PTET परीक्षा हेतु

पाठ्यक्रम

Section-'A' : Mental Ability (मानसिक योग्यता)

इस भाग में 50 प्रश्न होंगे जो निम्नलिखित क्षेत्रों से पूछे जायेंगे—(1) Reasoning (तार्किक योग्यता); (2) Imagination (कल्पना-शक्ति परीक्षण); (3) Judgement (निर्णय-शक्ति-परीक्षण); (4) Creative Thinking (सृजनात्मक चिन्तन); (5) Generalisation (सामान्यीकरण); (6) Drawing Conclusion (निष्कर्ष निकालना)

Section-'B' : Teacher Attitude & Aptitude (शिक्षक अभिवृत्ति एवं अभिरुचि)

इस भाग में 50 प्रश्न होंगे जो निम्नलिखित क्षेत्रों से पूछे जायेंगे—(1) Social Maturity (सामाजिक परिपक्वता); (2) Leadership (नेतृत्व गुण); (3) Professional Commitment (व्यावसायिक निष्बद्धता); (4) Interpersonal Relations (अन्तः वैयक्तिक संबंध); (5) Communication (सम्प्रेषण); (6) Awareness (जागरुकता)

Section-'C' : General Awareness (सामान्य जानकारी)

इस भाग में क्षेत्रों के आधार पर 50 प्रश्न पूछे जायेंगे—(1) Current (National & International Affairs) (सामयिक, राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय घटनाक्रम); (2) Indian History & Culture (भारतीय इतिहास एवं संस्कृति); (3) India and its Natural Resources (भारत एवं उसके प्राकृतिक स्रोत); (4) Great Indian Personalities (Past & Present) महान् भारतीय व्यक्तित्व (अतीत एवं वर्तमान); (5) Environmental Awareness (पर्यावरण जागरुकता); (6) Awareness about Rajasthan (राजस्थान बोध)

Section-'D' : Language Proficiency (भाषा प्रवीणता)

इस भाग में हिन्दी अथवा अँग्रेज़ी में दक्षता-सम्बन्धी 50 प्रश्न निम्नलिखित क्षेत्रों से पूछे जायेंगे—(1) Vocabulary (शब्द ज्ञान); (2) Functional Grammar (व्यावहारिक व्याकरण); (3) Sentence Structures (वाक्य-संरचना); (4) Comprehension (अपठित गद्यांश-बोध)

पुस्तक में छात्रों के सुविधार्थ 'PTET प्री टीचर एज्यूकेशन टेस्ट एवं 4 वर्षीय' प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम दिया जा रहा है। यद्यपि पाठ्यक्रम के प्रकाशन में पूर्ण सावधानी ली गई है फिर भी संदेह अथवा त्रुटि की स्थिति में छात्र वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम को ही सही मानें।

Code No.: D-744

- प्रकाशक की अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी प्रणाली के सहारे पुन:उत्पत्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके (इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फॉटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, डिजिटल, वेब) के माध्यम से अथवा इस पुस्तक का नाम, टाईटल, चित्र, रेखाचित्र, नक्शे, डिजाईन, कवर डिजाईन, सैंटिंग, शिक्षण-सामग्री, विषय-वस्तु, पूर्ण या आंशिक रूप से किसी भी भाषा में हूबहू या तोड़-मरोड़ कर या अदल-बदल कर प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है। इस पुस्तक के प्रतिलिप्याधिकार प्रकाशक के पास सुरक्षित हैं।
- पुस्तक का कम्पोजिंग कार्य कम्प्यूटर द्वारा कराया गया है। पुस्तक के लेखन व प्रकाशन कार्य में लेखक, प्रूफ रीडर, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरतने के बावजूद भी अधूरी या पुरानी जानकारी का होना/कुछ ग़लतियों/कमियों का रह जाना मानवीय भूलवंश सम्भव है, जिसके लिए पुस्तक प्रकाशन से जुड़े मुद्रक, लेखक एवं प्रकाशक उत्तरदायी नहीं होंगे। पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।
- सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जयपुर (राज.) होगा।

अनुक्रमणिका

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

☆ PTET राजस्थान प्री. बी.एड. परीक्षा • 21 मई 2023 ..... P-1–P-24

☆ मानसिक योग्यता [MENTAL ABILITY] 1-160

[1] तार्किक योग्यता [Reasoning]

1 कथन एवं मान्यताएँ/धारणाएँ [Statement and Assumptions] 1
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 2

2 कथन एवं तर्क [Statement and Arguments] 7
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 8

3 कथन एवं कार्यवाहियाँ [Statement and Course of Action] 13
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 15

4 कथन पर्याप्तता [Data Sufficiency] 18
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 21

[2] कल्पना-शक्ति परीक्षण [Imagination]

5 दर्पण एवं जल प्रतिबिम्ब [Mirror and Water Images] 25
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 30

6 शृंखला/श्रेणीक्रम [Series] 34
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 36

7 रक्त सम्बन्ध [Blood Relation] 40
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 42

8 समानता [Similarities] 45
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 46

[3] निर्णय-शक्ति-परीक्षण [Judgement]

9 न्याय निगमन [Syllogism] 49
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 51

[4] सृजनात्मक चिन्तन [Creative Thinking]

10 आँकड़ों का चित्रों द्वारा निरूपण [Data Interpretation by Figures] 54
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 60

11 लुप्त संख्या ज्ञात करना [Finding The Missing Number] 63
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 68

12 वर्गीकरण (असंगत) [Classification (Differences)] 72
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 74

13 वेन आरेख [Venn Diagram] 86
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 89

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

14 आकृतियों की गिनती [Counting of Figures] 102
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 107

15 घड़ी [Clock] 112
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 117

16 कैलेण्डर [Calendar] 120
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 124

17 बैठक व्यवस्थीकरण [Seating Arrangements] 127
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 128

[5] सामान्यीकरण [Generalisation]

18 सादृश्यता परीक्षण [Analogy Test] 133
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 135

19 दिशा और दूरी [Direction and Distance] 140
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 142

20 कूटलेखन एवं कूटवाचन [Coding and Decoding] 147
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 149

[6] निष्कर्ष निकालना [Drawing Conclusion]

21 कथन एवं निष्कर्ष [Statement and Conclusions] 156
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 157

☆ शिक्षक अभिवृत्ति एवं अभिरुचि [TEACHER ATTITUDE & APTITUDE] 161-256

1 सामाजिक परिपक्वता [Social Maturity] 161
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 164

2 नेतृत्व गुण [Leadership Quality) 175
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 182

3 व्यावसायिक प्रतिबद्धता [Professional Commitment] 191
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 197

4 अन्त:वैयक्तिक सम्बन्ध [Interpersonal Relation] 207
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 212

5 सम्प्रेषण क्षमता [Communication Skills] 220
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 236

6 सजगता/जागरुकता [Awareness] 245
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 250

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

☆ सामान्य जानकारी [GENERAL AWARENESS] 257-496

1 समसामयिकी (राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय घटनाक्रम)
[Current (National & International Affairs)] 257

2 भारतीय इतिहास एवं संस्कृति [Indian History and Culture] 273

- प्राचीन भारत का इतिहास 273
- प्रागैतिहासिक काल एवं सिंधु नदी घाटी सभ्यता .. 274
- महाजनपदकाल एवं मगध का विकास.... 276
- मौर्य एवं मौर्योत्तर काल 278
- गुप्तकाल 280
- सीमावर्ती राजवंशों का उदय 282
- अरब आक्रमण 283
- सूफी एवं भक्ति आन्दोलन 285
- शिवाजी एवं मराठा शक्ति का विकास ... 289
- यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों का भारत आगमन . 291
- ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया का प्रशासन 293
- 1857 की क्रान्ति 297
- भारत की अवस्थिति एवं विस्तार 303
- प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत 273
- वैदिक सभ्यता 275
- भारत में धार्मिक आन्दोलन 277
- मौर्योत्तर काल 279
- दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश 281
- मध्यकालीन भारत का इतिहास 283
- सल्तनतकाल 283
- मुगल काल 287
- आधुनिक भारत का इतिहास 291
- अंग्रेज तथा विभिन्न भारतीय राज्य 291
- सामाजिक और धार्मिक पुनर्जागरण आन्दोलन..... 296
- भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन 299

3 भारत एवं उसके प्राकृतिक स्रोत [India and Its Natural Resources] 303

- भारत का भौतिक स्वरूप 304
- भारत की जलवायु 309
- भारत में खनिज एवं उद्योग संसाधन .. 312
- भारत में ऊर्जा संसाधन 315
- भारत की जनगणना-2011 318
- भारत का अपवाह तंत्र 306
- भारत में कृषि 310
- भारत के प्रमुख उद्योग 313
- भारत में प्राकृतिक वनस्पति..... 317
- भारत से सम्बन्धित विविध तथ्य 319

4 महान् भारतीय व्यक्तित्व (अतीत एवं वर्तमान)
[Great Indian Personalities (Past & Present)] 322

- प्राचीन भारत की प्रमुख हस्तियाँ
(Prominent Personalities of Ancient India) 322
- मध्यकालीन भारत के प्रमुख व्यक्तित्व
(Prominent Personalities of Medieval India) 326
- आधुनिक भारत के प्रमुख व्यक्तित्व
(Prominent Personalities of Modern India) 330

5 पर्यावरण अध्ययन [Environmental Studies] 339

राजस्थान बोध [Awareness about Rajasthan]

1 राजस्थान के नवीन जिले एवं संभागीय व्यवस्था
[New District & Divisional System of Rajasthan] 357

2 राजस्थान : सामान्य परिचय [Rajasthan : General Introduction] 370

3 राजस्थान की अवस्थिति एवं भू-आकृतिक प्रदेश
[Location and Physiographic regions of Rajasthan] 374

4 अपवाह तन्त्र [Drainage System] 380

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

5 जलवायु एवं मृदा [Climate and Soil] 384
6 राजस्थान में कृषि [Agriculture in Rajasthan] 387
7 राजस्थान की प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ [Major Irrigation Projects of Rajasthan] 390
8 राजस्थान में पशु सम्पदा [Livestock in Rajasthan] 393
9 खनिज एवं उद्योग [Mineral and Industries] 396
10 राजस्थान : ऊर्जा संसाधन [Rajasthan : Energy Resources] 399
11 वनस्पति एवं वन्य जीव संरक्षण [Vegetation & Wild Life Conservation] .. 402
12 परिवहन [Transportation] 406
13 राजस्थान : जनगणना-2011 [Rajasthan : Population-2011] 409
14 राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल [Major Tourism Spots of Rajasthan] . 411

राजस्थान के इतिहास के महत्त्वपूर्ण स्रोत

1 राजस्थान के इतिहास के महत्त्वपूर्ण स्रोत [Important Sources of Rajasthan's History] 414
2 राजस्थान की प्रागैतिहासिक सभ्यताएँ [Major Prehistoric Civilizations] .. 418
3 राजस्थान के प्रमुख राजवंश [Major Dynasties of Rajasthan] 420
4 राजस्थान में स्थापत्य [Architecture in Rajasthan] 431
5 राजस्थान में 1857 की क्रांति [Revolution of 1857 in Rajasthan] 437
6 किसान एवं जनजाति आन्दोलन [Peasant and Tribal Movements] 439
7 प्रजामंडल आन्दोलन [Prajamandal Movement] 441
8 राजस्थान का एकीकरण [Integration of Rajasthan] 444
9 राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व [Major Personalities of Rajasthan] 446

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

1 राजस्थान के प्रमुख लोक संत एवं सम्प्रदाय [Major Saints and Sects of Rajasthan] 450
2 राजस्थान के लोकदेवता एवं देवियाँ [Lokdevta and Lokdeviyan of Rajasthan] 454
3 राजस्थान में लोक नृत्य एवं लोक नाट्य [Folk Dance & Folk Drama in Rajasthan] 457
4 राजस्थान में लोक संगीत एवं प्रमुख वाद्ययंत्र [Folk Music & Major Musical Instruments in Rajasthan] ... 462
5 राजस्थानी वेशभूषा, आभूषण व रीति रिवाज [Rajasthani Clothes, Ornaments & Customs] 467

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

6 राजस्थान के मेले एवं त्योहार [Fairs and Festivals of Rajasthan] 471
7 राजस्थान में चित्रकला [Painting in Rajasthan] 474
8 राजस्थान में जनजातियाँ व उनकी संस्कृति [Tribes and their Culture in Rajasthan] 477
9 राजस्थानी बोलियाँ एवं साहित्य [Rajasthani Dialects & Literature] 479

राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था

1 राज्य व्यवस्थापिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका [State Executive, Legislature and Judiciary] 482
2 जिला प्रशासन [District Administration] 491
3 पंचायती राज और शहरी स्थानीय-स्वशासन संस्थाएँ [Institutions of Panchayati Raj and Urban Local-Self Government] 493

☆ भाषा प्रवीणता [LANGUAGE PROFICIENCY] 497-672

शब्द ज्ञान [Vocabulary]

1 शब्द ज्ञान (तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशी शब्द)
• PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 502
2 विलोम शब्द [Antonyms] 504
• PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 508
3 पर्यायवाची शब्द [Synonyms] 509
• PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 514
4 श्रुतिसम भिन्नार्थक (शब्द-युग्म) [Word Combinations] 515
• PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 518
5 वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द [One Word Substitution] 520
• PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 526
6 समानार्थक शब्द [Synonyms] 528
• PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 532
7 अनेकार्थक शब्द [Ambiguous Words] 533
• PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 536
8 शब्द-शुद्धि [Word-Purification] 538
• PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 544
9 मुहावरे एवं उनके वाक्य प्रयोग [Idioms and their Sentence Usage] 545
• PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 550
10 लोकोक्तियाँ और उनके वाक्य प्रयोग [Proverbs & their Sentence Usage] . 552
• PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 558

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ संख्या

व्यावहारिक व्याकरण [Functional Grammar]

11 वर्णमाला [Alphabet] 559
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 565

12 उपसर्ग [Prefix] 567
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 572

13 प्रत्यय [Suffix] 573
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 579

14 सन्धि व संधि-विच्छेद [Joining] 580
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 593

15 समास [Compound] 595
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 604

16 संज्ञा [Noun] 606
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 612

17 सर्वनाम [Pronoun] 613
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 615

18 विशेषण [Adjective] 616
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 620

19 क्रिया [Verb] 622
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 625

20 काल [Tense] 627
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 629

21 अव्यय [Invariable] 631
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 635

22 लिंग एवं वचन [Gender and Number] 636
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 642; 644

वाक्य संरचना, वाक्य के प्रकार एवं वाक्य शुद्धि [Sentence Structures]

23 वाक्य संरचना एवं वाक्य के प्रकार
[Sentence Structure & Types of Sentence] 645
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 654

24 वाक्य-शुद्धि [Sentence Correction]
अशुद्ध वाक्यों का शुद्धीकरण और वाक्यगत अशुद्धि का कारण 657
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 664, 655

अपठित गद्यांश-बोध [Comprehension Ability]

25 अपठित गद्यांश-बोध [Comprehension Ability] 665
- PTET की विगत भर्ती परीक्षाओं में से पूछे गये महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर 666-672

[1] तार्किक योग्यता [Reasoning]

1 कथन एवं मान्यताएँ/धारणाएँ [Statement and Assumptions]

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- **मान्यता अथवा पूर्वधारणा** (Assumption) का अर्थ है वह अनकही बात जो दिए गए कथन में अन्तर्निहित होती है और उस कथन से प्राय: अधिक मौलिक होती है। इस तरह के प्रश्नों में एक कथन दिया होता है और उससे सम्बन्धित दो मान्यताएँ दी होती हैं। अभ्यर्थी को कथन का विश्लेषण करके देखना होता है कि उसमें कौन-सी मान्यता अन्तर्निहित है।
- इस प्रकार के प्रश्नों में एक कथन के साथ दो या तीन मान्यताएँ दी गई होती है, जिन पर विचार करके यह बतलाना होता है कि इन मान्यताओं में से कौन सा कथन में अन्तर्निहित है।

अन्तर्निहित मान्यताओं को निर्धारित करने के नियम

- अन्तर्निहित बात सरल होनी चाहिए।
- किसी कथन में एक से अधिक बातें अन्तर्निहित हो सकती है।
- अन्तर्निहित बातों के निर्धारण में विशेषक शब्द सहायक होते हैं।
- मान्यता कथन से अधिक व्यापक नहीं होनी चाहिए।
- मान्यता और कथन एक दूसरे के सार्थक होने चाहिए।
- मान्यता और कथन के बीच कारण पूर्ण रूप से व्याप्त होने चाहिए।
- ऐसी मान्यता को जो जनहित के लिए किए गए अनुरोध युक्त कथन के परिणाम को व्यक्त करता हो वैध मानना चाहिए।
- कोई भी मान्यता कथन के आधार पर निकाला गया निष्कर्ष नहीं होना चाहिए।
- ऐसी मान्यता को जो किसी सुधार, लाभदायक परिणाम को प्रदर्शित करता हो वैध मानना चाहिए।
- मान्यता में कथन का यथार्थ भाव सन्निहित होना चाहिए।
- मान्यता में कथन की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।
- ऐसी मान्यता जो कि जनहित के लिए सूचित किए गए कथन के प्रभाव एवं सूचना देने वाले के कर्त्तव्यबोध को प्रदर्शित करता हो तथा जिसे न जारी करने पर हानिकारक प्रभाव की सम्भावना हो, वैध माना चाहिए।

महत्वपूर्ण उदाहरण

निर्देश—निम्न उदाहरणों में, एक कथन के बाद दो मान्यताएँ दी गई हैं। कथन और मान्यताओं पर विचार कर के फैसला करना है, कि कौन-सी मान्यता कथन पर निर्भर करती है।

(A) यदि कथन में मान्यता I अन्तर्निहित है
(B) यदि मान्यता II अन्तर्निहित है
(C) यदि मान्यता II व I दोनों ही अन्तर्निहित नहीं है
(D) यदि मान्यता I व II दोनों ही अन्तर्निहित हैं।

उदाहरण 1. कथन—कम होते जीवाश्म ईंधन भंडारों को बचाने के लिए सरकार ने सभी वाणिज्यिक वाहनों को बायो-ईंधन से चलाने का फैसला किया।

मान्यताएँ—

I. जीवाश्म ईंधन को वाहनों के लिए बदलना संभव है।

II. सभी वाणिज्यिक वाहनों को चलाने के लिए देश में बायो ईंधन का पर्याप्त मात्रा में उत्पादन किया जा सकता है।

[B]

हल: कथन में यह बात कही गई है कि कम होते जीवाश्म ईंधन भंडारों को बचाने के लिए सरकार ने सभी वाणिज्यिक वाहनों को बायो-ईंधन से चलाने का फैसला किया। अत: बायो ईंधन का समुचित मात्रा में उत्पादन किया जाय ताकि सभी वाणिज्यिक वाहनों को चलाने में बायो ईंधन की कमी न हो। चूँकि केवल मान्यता II अन्तर्निहित है, अत: उत्तर **(B)** है।

उदाहरण 2. कथन—यह वाँछनीय है कि बच्चे की उम्र जब लगभग 5 वर्ष हो जाए तो उसे स्कूल में प्रवेश दिला दिया जाए।

मान्यताएँ—

I. उस उम्र में बच्चे का समुचित विकास हो चुका होता है जिससे वह सीखना प्रारम्भ कर सकता है।

II. 6 साल की उम्र के बाद स्कूल बच्चे को प्रवेश नहीं देते हैं।

[A]

हल: कथन में यह बात कही गई है कि बच्चे को 5 वर्ष की अवस्था में स्कूल में दाखिल करा दिया जाए। अत: इसमें यह अन्तर्निहित है कि उस समय तक बच्चे का इतना मानसिक विकास हो चुका होता है कि वह सीखना प्रारम्भ कर देता है। अत: मान्यता I, कथन में अन्तर्निहित है। कथन में 6 वर्ष की उम्र के बाद स्कूल बच्चे को दाखिल नहीं करते, इस सम्बन्ध में कुछ भी नहीं कहा गया है। अत: मान्यता II कथन में निहित नहीं है और न उसका कथन से कोई सम्बन्ध है।
चूँकि केवल मान्यता I अन्तर्निहित है, अत: उत्तर **(A)** है।

उदाहरण 3. कथन—हाउसिंग सोसाइटी के अध्यक्ष एवं मंत्री ने सदस्यों से कहा है कि वे पानी का प्रयोग किफायत से करें जिससे सोसाइटी जल-कर में बचत कर सके।

मान्यताएँ—

I. अधिकांश सदस्य इस निर्देश का पालन करेंगे।

II. जहाँ कहीं सम्भव हो खर्चे में कमी की जानी चाहिए।

[B]

हल: स्पष्ट है कि कथन में ऐसा कुछ नहीं है जिससे पता चले कि सदस्यगण उस निर्देश का पालन करेंगे। अत: मान्यता I, कथन में

2 कथन एवं तर्क [Statement and Arguments]

महत्त्वपूर्ण तथ्य

❖ इस अध्याय के प्रश्नों में प्राय: एक कथन दिया जाता है जो किसी राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक मुद्दे से सम्बन्धित होता है। इसके बाद दो तर्क दिए होते हैं, एक प्राय: उस मुद्दे के पक्ष में और दूसरा उसके विपक्ष में। अभ्यर्थी को कथन का अध्ययन व विश्लेषण करके यह बताना होता है कि दोनों तर्कों में से कौन अधिक प्रबल है और उस मुद्दे के सम्बन्ध में सही विचार प्रकट करता है।

प्रबल तर्क ज्ञात करने के नियम

❖ तर्क अपने मंतव्य को जितने ही सटीक ढंग से प्रतिपादित करते हैं उतने ही प्रबल होते हैं। तर्कों के कुछ मानदण्ड होते हैं जिन पर यदि वे खरे उतरते हैं तो उत्तम तर्कों की श्रेणी में रखे जा सकते हैं। तर्कों के प्रबल अथवा कमजोर होने की जाँच निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत की जा सकती है—

- ✧ तर्क का संबंध कथन से सीधे होना चाहिए। यदि तर्क कथन से दूर का संबंध रखता है अथवा कथन से असम्बद्ध होता है तो वह कमजोर होता है प्रबल नहीं।
- ✧ तर्क किसी एक उदाहरण अथवा घटना पर आधारित नहीं होना चाहिए। किसी एक व्यक्ति अथवा एक देश इत्यादि से सम्बद्ध घटनाओं या विशेषताओं को सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता। अतः ऐसे तर्क प्रबल नहीं होते हैं।
- ✧ कोई तर्क यदि विचार मात्र है तो यह प्रबल नहीं होगा। तर्क से कथन का तार्किक जवाब मिलना चाहिए। यह कथन से उपजे क्या, क्यों, कैसे, कब इत्यादि का उत्तर होना चाहिए।
- ✧ तर्क किसी धारणा पर आधारित नहीं होना चाहिए क्योंकि धारणा की व्यक्तिगत स्थापना होती है तथा सामान्यीकृत परिणाम देने में अक्षम होती है। इसमें यह मान लिया जाता है कि कोई बात सत्य अथवा असत्य है जबकि यह बात सत्य भी हो सकती है और असत्य भी।
- ✧ तर्क का अर्थ स्पष्ट और सीधा होना चाहिए। अस्पष्ट अर्थों वाला तथा बहुत घुमा फिराकर दिया गया तर्क प्रबल नहीं होता है।
- ✧ ऐसे तर्क जो वर्तमान सामाजिक मान्यताओं के विपरीत होते हैं प्रबल नहीं हो सकते। ऐसे तर्क तथ्यात्मक रूप से गलत होते हैं।
- ✧ यदि कथन 'हाँ, क्यों नहीं?' 'नहीं' 'ऐसा नहीं', 'हाँ, ऐसा तुरंत कर देना चाहिए' 'हाँ देर किस बात की' जैसा हो तो यह प्रबल नहीं होगा। यह मात्र स्वीकारोक्ति या अस्वीकृति है, तर्क नहीं।
- ✧ तर्क आदर्श, सत्य महत्वपूर्ण, तथ्यपूर्ण, वैचारिक तथा विश्लेषण परक होने चाहिए।
- ✧ नेताओं, समाचार माध्यमों इत्यादि का उदाहरण तर्क को प्रबल नहीं बनाता है। तर्क का अपना वजन होना चाहिए।
- ✧ ऐसे तर्क प्रबल नहीं होते हैं जो कथन की पुनरावृत्ति मात्र होते हैं।

महत्वपूर्ण उदाहरण

निर्देश—निम्न उदाहरणों में, महत्वपूर्ण प्रश्नों के बारे में निर्णय लेते समय यह वांछनीय होता है कि हम 'ठोस' और 'कमजोर' तर्कों के बीच अन्तर करें। 'ठोस' तर्क महत्वपूर्ण तो होना ही चाहिए साथ-ही-साथ वह प्रश्न से सीधे सम्बन्धित नहीं हो सकता है और हो सकता है कि वह प्रश्न के गैर जरूरी पक्ष से जुड़ा हो या कथन के नगण्य पक्ष से जुड़ा हो। नीचे के प्रत्येक प्रश्न में एक कथन है तथा उसके बाद दो तर्क *I* और *II* दिये गए हैं। आपको यह तय करना है कि कौन-सा तर्क 'ठोस' है और कौन-सा तर्क 'कमजोर' तर्क है।

(A) यदि केवल तर्क I ठोस/प्रबल हो।
(B) यदि केवल तर्क II ठोस/प्रबल हो।
(C) यदि या तो तर्क I या II प्रबल हो।
(D) यदि न तो तर्क I और न ही II ही प्रबल हो।
(E) यदि तर्क I और II दोनों प्रबल हो।

उदाहरण 1. कथन—क्या विद्यालयों को स्कूलों की सफाई के काम में विद्यार्थियों को लगाना चाहिए।

तर्क : I हाँ, विद्यालयों को छात्रों के ऊपर अपने नियंत्रण और शक्ति का उपयोग करना चाहिए।

तर्क : II नहीं, यह छात्रों के शैक्षिक अध्ययन के लिए आवंटित समय को प्रभावित करेगा। **[B]**

हल: दिए प्रश्न के संदर्भ में तर्क II अधिक मजबूत है।
अतः विकल्प (B) सही है।

उदाहरण 2. कथन—सरकार को गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों को राशन देना चाहिए।

तर्क : I. हाँ, यह गरीबों को न्यूनतम जीवन समर्थन प्रदान करता है।

तर्क : II. नहीं, भ्रष्टाचारी लोगों द्वारा अनुदान (सब्सिडी) का दुरुपयोग होता है, सरकार को गरीबों की मदद हेतु वैकल्पिक उपायों के बारे में सोचना चाहिए। **[A]**

हल: यहाँ तर्क I सशक्त है। यह गरीबों को न्यूनतम जीवन समर्थन प्रदान करता है। अनुदान का दुरुपयोग रोकना सरकार का कार्य है। अतः उत्तर विकल्प **(A)** होगा।

उदाहरण 3. कथन—क्या सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियों को कम कर देना चाहिए?

3 कथन एवं कार्यवाहियाँ [Statement and Course of Action]

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- इस प्रकार के प्रश्नों में एक कथन दिया रहता है तथा इसके साथ दो या दो से अधिक कार्यवाहियाँ दी रहती हैं। कोई कार्यवाही एक ऐसा प्रशासनिक निर्णय होता है जो किसी समस्या या नीति के बारे में उसे कार्यान्वित करने या उससे सम्बन्धित अनुवर्ती कार्यवाही करने हेतु लिया जाता है। आपको कथन में कहा गया सब कुछ सत्य मानना है तथा फिर तय करना है कि सुझायी गई कार्यवाहियों में से कौन सी कार्यवाही आगे के लिए तर्कसंगत प्रतीत होती है।
- कथन एवं कार्यवाहियों पर आधारित प्रश्न दो प्रकार के होते हैं
  (i) एक कथन एवं दो कार्यवाहियाँ
  (ii) एक कथन एवं दो से अधिक कार्यवाहियाँ
- इस प्रकार के प्रश्नों में कोई स्थिति अथवा समस्या दी जाती है। ऐसी कोई भी घटना या स्थिति (Situation) जो हमारे सामान्य जन-जीवन को अंशतः या पूर्णतः बाधित कर देती है या उसमें गतिरोध उत्पन्न करती हो, ऐसी घटना या स्थिति को समस्या कहते हैं।

  उदाहरणार्थ : उग्रवाद, डकैती, ट्रेन दुर्घटना, कदाचार, शोषण, लूटपाट, दहेज-प्रथा, साम्प्रदायिक दंगा, छुआ-छूत, जाति-प्रथा, ट्रेन सेवा में व्यवधान, विद्युत सेवा में व्यवधान, अशिक्षा, बालश्रम, जनसंख्या वृद्धि, बाल अपराध, भूकम्प, प्रदूषण, बाढ़, बेरोजगारी, कुपोषण, राजनीतिक संकट, शोर, अनुशासनहीनता, युद्ध, महामारी, सूखा पड़ना, हड़ताल, अश्लील विज्ञापन, अश्लील साहित्य आदि।
- उपर्युक्त समस्याओं के दृष्टिकोण से समस्या को दो श्रेणियों में विभक्त किया जा सकता है
  (i) जटिल समस्या ऐसी समस्या जिसके लिए योजनाबद्ध त्वरित एवं ठोस कार्यवाही करने की जरूरत होती है, ऐसी समस्या को जटिल समस्या कहते हैं जैसे उग्रवाद, ट्रेन दुर्घटना, बाढ़, महामारी इत्यादि।
  (ii) साधारण समस्या ऐसी समस्या जिसके समाधान के लिए कोई योजनाबद्ध त्वरित एवं ठोस कार्यवाही का नहीं बल्कि सिर्फ थोड़े सुधार की आवश्यकता होती है, ऐसी समस्या को साधारण समस्या कहते हैं, जैसे बाल अपराध, शोर, अनुशासनहीनता इत्यादि।

कार्यवाही क्या है?

- कार्यवाही एक उपाय अथवा प्रशासनिक निर्णय होता है जो कथन (अर्थात् कोई समस्या अथवा स्थिति) में दी गई सूचना के आधार पर समस्या, नीति आदि के संबंध में सुधार, अनुवर्तन अथवा आगे कार्यवाही के लिए अपनाया जाता है।

कार्यवाही के कुछ विशिष्ट नियम

- सर्वप्रथम समस्या का विश्लेषण इस दृष्टिकोण से करें जिससे यह पता लग सके कि समस्या जटिल है या साधारण।
- यदि समस्या जटिल हो, तो ऐसी कार्यवाही का चयन करें जो त्वरित एवं ठोस कार्यवाही को प्रदर्शित करती हो।
- यदि समस्या साधारण हो तो ऐसी कार्यवाही का चयन करें जो कि सुधार को प्रदर्शित करती है।
- यदि समस्या सर्वमान्य तथ्यों पर आधारित हो, तो ऐसी कार्यवाही का चयन करें जो सर्वमान्य हो।
- यदि समस्या पूर्व की किसी अन्य समस्या से मिलती-जुलती प्रतीत हो, तो ऐसी समस्या को पूर्व के अनुभव के आधार पर हल करें। यानी कि ऐसी कार्यवाही का चयन करें जो पूर्व के अनुभव पर आधारित हो।
- यदि समस्या सामान्य ज्ञान पर आधारित हो, तो ऐसी ही कार्यवाही का चयन करें जो कि सामान्य ज्ञान के आधार पर समस्या के समाधान को प्रदर्शित करती हो।
- यदि समस्या का समाधान तार्किक दृष्टिकोण से कल्पना के आधार पर संभव हो, तो ऐसी कार्यवाही का चयन करें जो कि यथार्थ कल्पना पर आधारित हो।
- ऐसी ही कार्यवाही का चयन करें जो कि समस्या को बिल्कुल हल करती प्रतीत हो या समस्या को कम करती हो या उसमें सुधार को प्रदर्शित करती हो।

निर्देश : निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में पहले तो एक कथन दिया गया है फिर उसके बाद *(I)* और *(II)* क्रमांकित दो कार्यवाहियाँ दी गई है। आपको कथन में कहा गया सब कुछ सत्य मानना है या फिर तय करना है कि सुझायी गई दो कार्यवाहियों में से कौन सी कार्यवाही आगे के लिए तर्कसंगत प्रतीत होती है।

उत्तर (A) दीजिए यदि केवल कार्यवाही I सही हो।
उत्तर (B) दीजिए यदि केवल कार्यवाही II सही हो।
उत्तर (C) दीजिए या तो कार्यवाही I या कार्यवाही II सही हो।
उत्तर (D) दीजिए न तो कार्यवाही I और न ही II सही हो।
उत्तर (E) दीजिए कार्यवाही I और कार्यवाही II दोनों सही हो।

उदाहरण 1. कथन : केन्द्र सरकार ने यह निश्चय किया है कि अब से वह दिल्ली परिवहन निगम को धनराशि नहीं प्रदान करेगी और उसने प्रबन्धकों से कहा है कि प्रचालन लागत पूरी करने के लिए वे स्वयं स्त्रोत उत्पन्न करें।

कार्यवाहियाँ :

(I) दिल्ली परिवहन निगम को उन क्षेत्रों की तलाश करनी चाहिए जहाँ से धनराशि उत्पन्न की जा सके।

शिक्षक अभिवृत्ति एवं अभिरुचि [Teacher Attitude & Aptitude]

1 सामाजिक परिपक्वता (Social Maturity)

इस अध्याय में अध्ययन किये जाने वाले महत्त्वपूर्ण बिन्दु

- सामाजिक परिपक्वता का परिचय
- सामाजिक परिपक्वता का अर्थ
- सामाजिक परिपक्वता की परिभाषाएँ
- सामाजिक परिपक्वता व्यक्तियों की विशेषताएँ
- सामाजिक परिपक्वता को प्रभावित करने वाले कारक
- सामाजिक परिपक्वता का महत्त्व
- सामाजिक परिपक्वता के सिद्धान्त
- सामाजिक परिपक्वता के विकास हेतु अध्यापक की भूमिका

सामाजिक परिपक्वता का परिचय

- सामाजिक परिपक्वता किसी व्यक्ति के **व्यक्तिगत, पारस्परिक** और सामाजिक पर्याप्तता के लिए उपयुक्त विकास की प्रकिया है जो समाज में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए आवश्यक है।
- मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, सामाजिक व्यवस्था के बिना उसके अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती है और इस सामाजिक व्यवस्था में **सामंजस्यपूर्ण** रूप से जीवित रहने के लिए मनुष्य को समायोजन करना आवश्यक है।
- सामाजिक परिपक्वता की प्राप्ति के बाद एक बच्चे के विद्यालय और कार्यक्षेत्र में सफल होने की संभावना में बढ़ोतरी होती है और यह मानसिक स्वास्थ्य में सुधार व्यक्ति को बेहतर नागरिक बनाता है।
- सामाजिक परिपक्वता दूसरों के साथ अच्छी तरह से जुड़ने की क्षमता है और उन्हें आपके साथ सहयोग करने के लिए प्रेरित करती है। इस क्षेत्र में अनुसंधान और रुचि में वृद्धि के परिणामस्वरूप नए सिद्धांत और रणनीतियाँ सामने आई हैं, यह विद्यालय प्रणाली के आन्तरिक विकास को बढ़ावा देता है।
- सामाजिक नियमों और मानदंडों को समझते हुए और उस ज्ञान का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए उचित रूप से समायोजित और कार्य करने की इस क्षमता को सीखना **सामाजिक परिपक्वता** के रूप में जाना जाता है।
- सामाजिक परिपक्वता में व्यवहार पर बल दिया जाता है जो वयस्कों के मानकों और अपेक्षाओं के अनुरूप होता है और दूसरा - व्यवहार जो अवलोकन के तहत व्यक्ति की आयु के लिए उपयुक्त है। सामाजिक परिपक्वता में माता-पिता सहयोग करते हैं।
- सामाजिक रूप से परिपक्व होना सामाजिक रूप से जागरूक अर्थात् कल्याणकारी होना और सामाजिक कौशल से परिपूर्ण होना है।
- सामाजिक परिपक्वता सहानुभूति, सामंजस्य एवं सामाजिक अनुभूति के बारे में बताती है जबकि सामाजिक **कौशल, समकालिकता, आत्म-संरक्षण, प्रभाव** आदि को दर्शाता है।
- इस प्रकार जब एक किशोर सामाजिक रूप से परिपक्व हो जाता है तो वह आत्मप्रेरित होकर प्रयास करता रहता है और अपने समय का उपयोग करने, अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने, समाज में विभिन्न लोगों के साथ व्यवहार करने की भावना विकसित करने की क्षमता विकसित करता है।
- बालक समस्या और महत्वपूर्ण कठिनाइयों का सामना करते समय उचित निर्णय लेने और उचित कार्यप्रणाली का चयन करने की क्षमता विकसित करता है।
- इस प्रकार बालक जितना अधिक सामाजिक रूप से परिपक्व होगा, समाज में सामाजिक परिपक्वता उतनी ही अधिक होगी और देश उतना ही परिपक्व होगा।
- लड़कों की सामाजिक परिपक्वता लड़कियों की तुलना में कम होती है। इसका तात्पर्य यह है कि लड़कों को प्रारंभिक सामाजिक विकास में माता-पिता, शिक्षकों और साथियों से अधिक ध्यान एवं बेहतर मार्गदर्शन और समर्थन की आवश्यकता होती है।

सामाजिक परिपक्वता का अर्थ

- सामाजिक परिपक्वता एक कठिन प्रक्रिया है। सांस्कृतिक रूप से परिपक्व होने के लिए, छात्रों को उन लोगों के सामने प्रस्तुत किया जाना चाहिए जो सामाजिक रूप से परिपक्व हैं ताकि वे अपने व्यवहार को समझ सकें।
- सामाजिक परिपक्वता समाज की परिस्थितियों और संस्कृति के अनुसार कार्य करने और प्रतिक्रिया करने की क्षमता को दर्शाती है।
- सामाजिक परिपक्वता का अर्थ बालक में सामाजिक कुशलताओ विकास होना है।
- सामाजिक व्यवस्था के अंतर्गत आने वाले लोगों की आवश्यकताओं और उद्देश्यों का उच्च स्तर पर एकीकरण होना ही सामाजिक परिपक्वता की विशेषता है।
- समाज की संस्कृति को जीवन में उतारना और सामाजिक व्यवहार को संस्कृति के अनुसार करना सामाजिक परिपक्वता कहलाता है।
- सामाजिक परिपक्वता को कई कारक प्रभावित करते हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण कारक बालक की बुद्धि है।

सामान्य जानकारी [General Awareness]

1 समसामयिकी (राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय घटनाक्रम)
[Current (National & International Affairs)]

ज्ञानपीठ पुरस्कार

- हाल ही में भारत सरकार द्वारा संस्कृत विद्वान **जगद्गुरु रामभद्राचार्य** एवं प्रसिद्ध गीतकार व उर्दू कवि **गुलज़ार** को **58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार** (2023 के लिए) के प्राप्तकर्ता के रूप में नामित किया गया है।
- चित्रकूट में तुलसी पीठ के संस्थापक और प्रमुख रामभद्राचार्य एक प्रसिद्ध हिंदू आध्यात्मिक नेता, शिक्षक और 100 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं।

रामभद्राचार्य गुलज़ार

- गुलज़ार हिंदी सिनेमा में अपने काम के लिए जाने जाते हैं और इस युग के बेहतरीन उर्दू कवियों में से एक माने जाते हैं। इससे पहले उन्हें अपने काम के लिए 2002 में उर्दू के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2013 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार, 2004 में पद्म भूषण और कम से कम पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं।

भ्रष्टाचार सूचकांक : 2023

- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल का भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सीपीआई) सार्वजनिक क्षेत्र की अखंडता के वैश्विक क्षेत्र में भारत की स्थिति के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
- वर्ष 2023 की रिपोर्ट एशिया प्रशांत क्षेत्र में व्यापक रुझानों के बीच भारत के प्रदर्शन पर प्रकाश डालती है, भ्रष्टाचार से निपटने के लिए चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डालती है।
- वर्ष 2023 के लिए भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सीपीआई) में भारत 180 देशों में से **93वें स्थान** पर है जो पिछले वर्ष के 40 के स्कोर से मामूली उतार-चढ़ाव को दर्शाता है। इस स्थिरता के बावजूद, रिपोर्ट भारत में नागरिक स्थान से संबंधित चल रही चुनौतियों पर प्रकाश डालती है, विशेष रूप से एक दूरसंचार बिल के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए जो संभावित रूप से मौलिक अधिकारों का उल्लंघन कर सकता है।

प्रीति रजक : भारतीय सेना की पहली महिला सूबेदार

- भारतीय सेना में एक प्रतिष्ठित ट्रैप शूटर हवलदार प्रीति रजक, सूबेदार के सम्मानित पद पर पदोन्नत हुई हैं यह उनके लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। वह भारतीय सेना में यह प्रतिष्ठित रैंक हासिल करने वाली पहली महिला बन गई हैं, जो न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि सशस्त्र बलों में महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति भी है।
- रजक ने ट्रैप शूटिंग में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से अपना स्थान अर्जित करते हुए, दिसंबर 2022 में सैन्य पुलिस कोर के साथ अपनी यात्रा शुरू की। उन्होंने शूटिंग अनुशासन में हवलदार के रूप में सेना में भर्ती होने वाली पहली मेधावी खिलाड़ी के रूप में इतिहास रचा और अपने शानदार करियर की नींव रखी।
- एक ट्रैप शूटर के रूप में रजक का कौशल चीन के हांगझू में आयोजित 19वें एशियाई खेल 2022 में अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमका, जहां उन्होंने ट्रैप महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। उनकी असाधारण उपलब्धियों के सम्मान में, रजक को सूबेदार के पद पर पहली आउट-ऑफ-टर्न पदोन्नति से सम्मानित किया गया।

भारत रत्न पुरस्कार 2024

- हाल ही में भारत सरकार ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' के लिए 2 पूर्व प्रधानमंत्री, 1 पूर्व उपप्रधानमंत्री एवं 1 पूर्व मुख्यमंत्री तथा भारत में 'हरित क्रांति' के जनक का चयन किया है।

कर्पूरी ठाकुर | लालकृष्ण आडवाणी | चौधरी चरण सिंह | नरसिम्हा राव | डॉ. एमएस स्वामीनाथन

- **कर्पूरी ठाकुर (मरणोपरांत)**—बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रसिद्ध समाजवादी नेता को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। लोकप्रिय रूप से 'जन नायक' (जनता के नेता) के रूप में जाने जाने वाले ठाकुर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के 49वें प्राप्तकर्ता होंगे।
- **लाल कृष्ण आडवाणी**—भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 1999 से 2004 गृह मंत्री और उपप्रधानमंत्री दोनों के रूप में कार्य किया। वर्ष 1990 में रामजन्मभूमि परिसर में राम मंदिर निर्माण के उद्देश्य से निकाली गई उनकी रथ यात्रा भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ थी, जिसने राष्ट्रीय विमर्श को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया और एक प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में भाजपा के उदय में योगदान दिया।
- **पामुलपर्थी वेंकट नरसिम्हा राव (मरणोपरांत)**—एक सम्मानित तेलुगु नेता पीवी नरसिम्हा राव, जिन्हें अक्सर आधुनिक भारत के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है, ने 1991 से 1996 तक प्रधानमंत्री के रूप में पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। उन्होंने 1990 के दशक की शुरुआत में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने न केवल वित्तीय संकट को टाला, बल्कि भारत की तीव्र वृद्धि और वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकरण के लिए

पर्यायशब्द	पर्यायवाची
तनिक	किंचित, जरा, थोड़ा, रंचमात्र, लेशमात्र।
तरणी	कश्ती, तरणी, नाव, नैया, नौका, सफीना।
तारा	उडु, उडुगन, तारक, नक्षत्र, सितारा।
तालमेल	संगति, समन्वय, सामंजस्य, सामरस्य, सुस्वरता।

'द', 'द्र' से बनने वाले पर्यायवाची

दंग	चकित, विस्मित, स्तब्ध, हक्का-बक्का, हैरान।
दक्ष	कुशल, चतुर, ब्रह्मा का पुत्र।
दही	क्षीरज, गोरस, जामन, दधि, पयस्या, श्रीधन।
द्रव्य	दौलत, धन, वित्त, विभूति, संपत्ति, संपदा, समृद्धि।
द्रौपदी	कृष्णा, त्रिहायणी, पांचाली, पांडवपत्नी, मुक्तवेणी, याज्ञसेनी, शची, सत्यसंधा, सैरंध्री, द्रुपदसुता।
दैत्य	असुर, सुरारि, दनुज, दानव, रजनीचर
देवता	अमर्त्य, अमर, सुर, देव, आदित्य, निर्जर

'ध' से बनने वाले पर्यायवाची

धतूरा	उन्मत्तक, कनक, घंटापुष्प, तामरस, तूरी, धत्तूरक, महामोही, महाशठ, शिवप्रिय।
धनुष	कमान, कमानी, कार्मुक, कोदंड, चाप, धनु, धनुहा, पिनाक, विशिखासन, शरायुध, शरासन।
धरती	अचला, अवनी, इला, धरणी, धरा, पृथ्वी, भू, भूमि, मही, मेदिनी, वसुंधरा।
धूल	धूलि, माटी, मिट्टी, मृत्तिका, मृदा, रज, रेणु।
ध्यान	एकाग्रता, तन्मयता, तल्लीनता, मनोयोग, लीनता।
ध्वनि	आवाज़, कूज, निनाद, निर्घोष, लय, स्वर।
धनवान	धनी, अमीर, धनाढ्य, मालदार, दौलतमंद

'न' से बनने वाले पर्यायवाची

नदी	आपगा, तटिनी, सरिता, सिंधुगामिनी, स्रोतस्विनी।
नम्र	विनयशील, विनयी, विनीत, शिष्ट, सुशील।
नाभि	अहि, नाफ, नाभिका, मूल, शिरा।
नारद	जगद्गुरु, देवगंधर्व, देवमुनि, देवर्षि, देवल, देवश्रुत, ब्रह्मपुत्र, ब्रह्मर्ष, ब्राह्म, वीणापाणि।
नारी	अबला, औरत, कामिनी, भामिनी, महिला, रमणी, ललना, वनिता, वामा, स्त्री।
निर्दोष	अदोष, दोषरहित, दोषहीन, निरपराध, बेकसूर, बेगुनाह।
निर्मल	अमल, पवित्र, पावन, विमल, शुद्ध, स्वच्छ।

'प', 'फ', 'प्र' से बनने वाले पर्यायवाची

पंडित	कोविद, प्राज्ञ, बुद्धिमान, मनीषी, विचक्षण, विद्वान, सुधी।
पति	शौहर, पति, प्यारा, भर्ता, साँई, स्वामी, आर्यपुत्र।
पत्थर	पत्थर, प्रस्तर, पाषाण, उपल, अश्म, शिला, ग्रावा।
पत्नी	अर्द्धांगिनी, गृहिणी, भार्या, वधू, वल्लभा, जाया, वामा।
परिष्कार	उत्कर्ष, उत्थान, उद्धार, उन्नति, निखार, परिमार्जन, परिशुद्धि, संशोधन, संस्कार, सुधार, सफाई।

पर्यायशब्द	पर्यायवाची
पक्षी	विहंग, खग, शकुन्त, विहग, पतंग, परिन्द
पर्वत	पहाड़, शैल, भूधर, नग, अग, भूभृत, धराधर, महीधर
पवन	हवा, वायु, समीर, अनिल, पवमान, मारुत, प्रभंजन
पृथ्वी	भूमि, धरा, धरणी, वसुमती, भू, रसा, मही, अवनि, धात्री, अचला, वसुधा, वसुन्धरा, धरित्री, रत्नगर्भा
पान	तांबूल, नागबेल, बालदल, मुखमंडन, मुखभूषण।
पुत्र	आत्मज, तनय, तनुज, लड़का, लाल, वत्स, सुत।
पुरस्कार	ईनाम, पारितोषिक, विजयोपहार।
पुरुषार्थ	उद्यम, उद्योग, उद्देश्य, प्रयोजन।
पूजा	अर्चना, आराधना, उपासना, भक्ति।
प्रकाश	आभा, आलोक, ज्योति, दीप्ति, द्युति, प्रभा।
प्रत्यक्ष	दृष्टिगोचर, समक्ष, सम्मुख, साक्षात, सामने।
फूल	पुष्प, कुसुम, पुहुप, सुमन, प्रसून

'ब' से बनने वाले पर्यायवाची

बरसात	दुर्दिन, पावस, बारिश, वर्षण, वर्षा, वृष्टि।
बसंत	ऋतुराज, कुसुमाकर, पिकमित्र, मधुमास, माधव।
बेचैन	अशांत, चिंतातुर, बेताब, विकल, व्याकुल।
बाण	तीर, सर, नाराच, सायक, शर, शिलीमुख
बादल	मेघ, अभ्र, वारिद, वारिवाह, घन, नीरद, वारिधर, अम्बुद
बाल	कच, अलक, कुन्तल, केश
बिजली	दामिनी, चपला, सौदामिनी, विद्युत, क्षणप्रभा, तड़ित
ब्रह्मा	आत्मभू, विधाता, विधि, विरंचि, स्रष्टा, हिरण्यगर्भ।
ब्राह्मण	अग्रजन्मा, द्विज, भूदेव, भूसुर, महीदेव, विप्र।

'भ' से बनने वाले पर्यायवाची

भीष्म	गंगादत्त, गंगासुत, गांगेय, तालकेतु, पितामह, ब्रह्मचारी।
भूखा	क्षुधातुर, क्षुधार्त, बुभुक्षित, भुक्खड़।
भैंस	कासरी, महिषी, लुलापा, सैरिभी।

'म', 'मृ' से बनने वाले पर्यायवाची

मंदिर	देवस्थान, देवालय, पूजागृह, शिवालय, शिवाला, आवास, निवास, निवासस्थान, वासस्थान।
मछली	झख, मकर, मत्स्य, मीन, शफरी।
महादेव	इंदुशेखर, भूतेश, मदनरिपु, शंकर, शम्भू, शिव, हर।
मान्य	आदरणीय, पूजनीय, पूज्य, माननीय, समादरणीय, सम्मानीय।
मार्ग	पंथ, पथ, बाट, मग, रास्ता, राह।
मित्र	दोस्त, मीत, संगी, सखा, सपक्ष, सहचर, सहृदय, साथी।
मुक्त	आज़ाद, खुला, छूटा, स्वच्छंद, स्वतंत्र।
मुक्ति	अपवर्ग, निर्वाण, परमधाम, परमपद, मोक्ष, सद्गति।
मुर्गी	अरुणशिखा, कुक्कुट, तमचुर, ताम्रचूड़, ताम्रशिख।
मूर्ख	अज्ञ, अबोध, जड़, बुद्धिहीन, बेवकूफ, मूढ़।
मृदु	कोमल, नाजुक, सुकुमार, सौम्य, मसृण, स्निग्ध, मृदुल।

दक्ष की पुस्तकें Online Order करने के लिए www.dakshbooks.com पर जायें

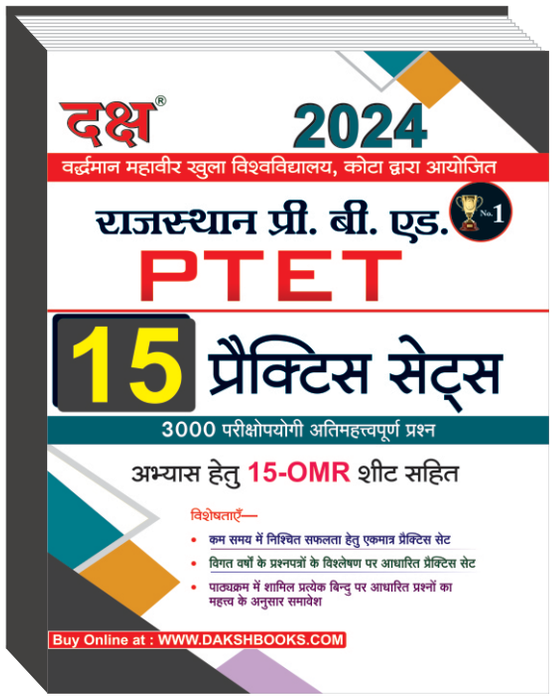

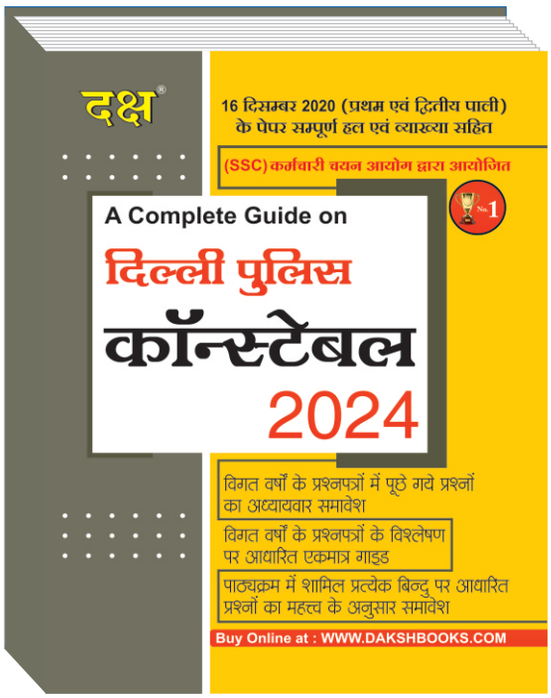

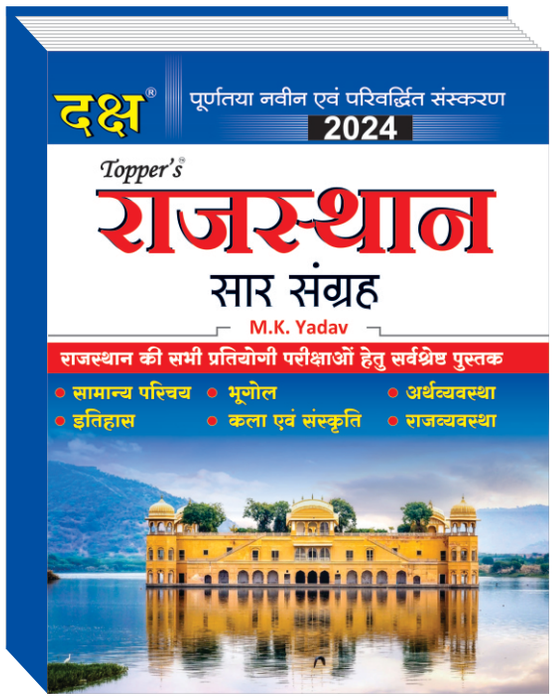

दक्ष प्रकाशन
(A Unit of College Book Centre)
A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)
फोन नं. 0141-2604302
Code No. D-744 | ₹ 820/-

इस पुस्तक को ONLINE खरीदने हेतु
WWW.DAKSHBOOKS.COM
पर ORDER करें
★ SPECIAL DISCOUNT + FREE DELIVERY ★